श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल, राजस्थान का उद्बोधन

एन.सी.सी. दिवस समारोह

दिनांक – 20 नवम्बर, 2019 **समय प्रात : 10 बजे**

महाराजा कॉलेज, जयपुर

राष्ट्रीय कैडेट कोर के इस समारोह में आकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। युवाओं को अनुशासन और संगठित देखकर मन उल्लासित हो रहा है। यह संगठन देश के युवाओं में देश भक्ति की भावना पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वाकई यह एक ऐसा संगठन है, जिसमें स्कूल, कॉलेजों के छात्र–छात्राओं को कैडेट बनाकर थलसेना, नौसेना तथा वायुसेना का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस संगठन को राष्ट्र के युवा वर्ग को अनुशासन, देश भक्ति और नेतृत्व की शिक्षा देनी होगी।

सन् 1920 में भारतीय प्रादेशिक सेना बल अस्तित्व में आया था। इस बल के अधिनियम के तहत ही यूनिवर्सिटी ट्रैनिंग कोर की स्थापना हुई थी। कोर में 18 से 20 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं को पार्ट टाइम मिलिट्री ट्रैनिंग दी जाने लगी थी। इन प्रशिक्षित युवाओं की सेवा सशस्त्र सेना के अलावा पुलिस सेवा, वन सेवा, सिविल सेवा तथा इंजीनियरिंग सेवा में लेनें के उद्देश्य से ही एनसीसी की स्थापना की गई।

सन् 1946 में श्री हृदयनाथ कुजंरू की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया था, जिनके द्वारा 21 जुलाई, 1947 को एक रिपोर्ट सरकार को सौंपी गई। आठ अप्रेल, 1948 को एक बिल पास हुआ और राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिनियम, 1948 अस्तित्व में आया तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर की शुरूआत हुई।

राजस्थान में इसकी शुरूआत सन् 1948 में 600 कैडेटों तथा तीन ईकाइयों के साथ धूमधाम से हुई। उत्तरोतर विकास के पथ पर चलते–चलते राजस्थान में एनसीसी निदेशालय बनाया गया। इसके अधीन अब 4 एनसीसी ग्रुप मुख्यालय है और 37 एनसीसी ईकाइयों के साथ कैडेटो की संख्या 48,653 है। यह प्रंशसनीय है। राजस्थान में एनसीसी द्वारा शिप मॉडलिंग, अश्वारोहण, प्राथमिक उपचार, पर्वतारोहण तथा ड्रिल आदि का प्रशिक्षण दिया जाना सराहनीय प्रयास है।

स्कूलों, कॉलेजों के साथ एन.सी.सी. कैडेटों को भी सार्वजनिक स्थानों पर सफाई अभियान में भरपूर योगदान देना चाहिए। मुझे बताया गया है कि एन.सी.सी. कैडेटो के सहयोग से 10 गांवों को खुले में शौच से मुक्त करवाया गया। स्वच्छता के लिए किये जा रहे प्रयासों के लिए मैं आप सभी को बधाई देता हूँ।

एन.सी.सी. कैडेटों को भारत सरकार की योजनाओं में भागीदारी निभानी होगी। जल संरक्षण, डीजिटल इन्डिया, बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ, टीकाकरण जैसे अभियानों में भी एन.सी.सी. को बढ़ – चढ़ कर अपना योगदान देना चाहिए। मुझे बताया गया है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर एन.सी.सी. के कैडेटों द्वारा राजस्थान के करीब 100 से भी ज्यादा गांवों, कस्बों तथा शहरों के लोगों को साईकिल रैली के माध्यम से महात्मा गांधी के आदर्शो का प्रसार तथा स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है।

स्वच्छ भारत अभियान के लिए नुक्कड़ नाटक, व्याख्यान, सेमिनार आदि का भी आयोजन किया जाना चाहिए। जन–जागरूकता के लिए छोटे–छोटे कार्यक्रम प्रभावी भूमिका निभाते हैं।

युवा नागरिकों में चरित्र निर्माण, भाईचारा, अनुशासन, धर्म–निरपेक्ष, साहसिक और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों की भावना का युवाओं में विकास के लिए एन.सी.सी. की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के विचारों को आगे बढ़ाने में भी एन.सी.सी. सहयोगी बन सकती है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर को ऐसा संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवा संगठन तैयार करना है, जो समाज में भारतीय संस्कृति के साथ राष्ट्रीय एकता और देश भक्ति का वातावरण निर्माण कर सके। हमें ऐसे युवा तैयार करने हैं जो मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व भी प्रदान करने के लिए सक्षम हो।

युवा चाहे कोई भी कैरियर अपनाएं, उन्हें ईमानदारी और निष्ठा से राष्ट्र की सेवा करनी है। राष्ट्रीय कैडेट कोर को ऐसा वातावरण बनाना है, जो युवा भारत को सशस्त्र सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित कर सकें।

एनसीसी संगठन को अपने आदर्श वाक्य ''एकता और अनुशासन'' पर चलना है। कैडेटों को एकता तथा अनुशासन का पाठ पढ़ाना है। समाज, प्रदेश और देश के लिए कार्य करना है।

पिछले 60 वर्षों से एन.सी.सी. बालिका विद्यापीठ, पिलानी का बालिका कैडेट बैण्ड गणतंत्र दिवस शिविर में लगातार भाग ले रहा है, जो हमारे राज्य के लिए गर्व की बात है। अन्त में मैं सभी अधिकारीगण, एन.सी.सी. स्टाफ व कैडेटों को एन.सी.सी. दिवस की शुभकामनाएं व इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

धन्यवाद। जय हिन्द।